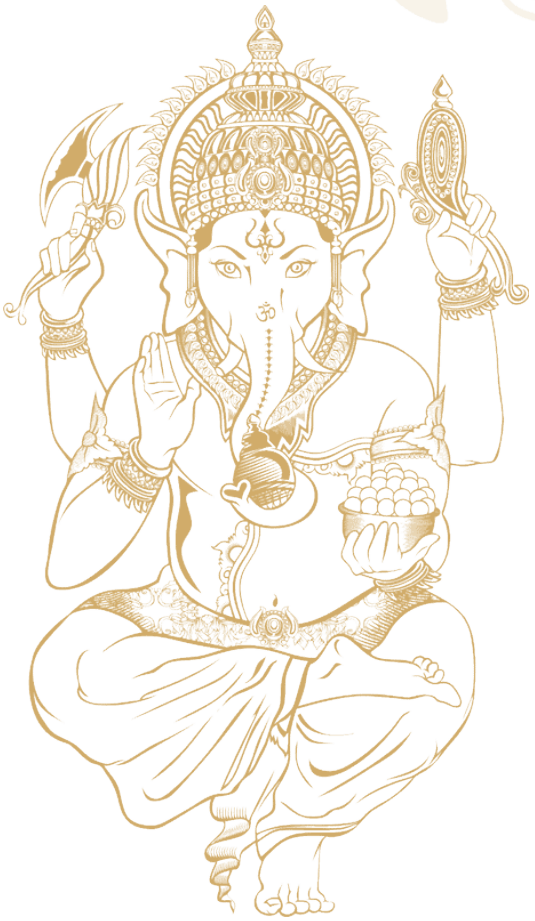

???? ????? ????

02 Aug 2013

07:20 PM

Malkapur

Model: web-freelalkitab

Order No: 121032106

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं.
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब–किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं.

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/08/2013**
दिवस	शुक्रवार
जन्म समय	**19:20:00 कला**
इष्ट	33:21:41 घटी
स्थान	**Malkapur**
राज्य	Buldana
देश	India

आजोबांचें नांव	
बडीलांचे नांव	
आईचें नांव	
जाति	
गोत्र	

अक्षांश	20:52:00 उत्तर
रेखांश	76:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:48 कला
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
स्थानिक वेल	18:55:12 कला
वेलान्तर	-00:06:16 कला
साम्पातिक वेल	15:40:28 कला
सूर्योदय	05:59:19 कला
सूर्यास्त	19:02:21 कला
दिनमान	13:03:02 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्याचे अंश	16:22:44 कर्क
लग्नाचे अंश	22:22:40 मकर

चैत्रादी संवत / शक	2070 / 1935
माह	श्रावण
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय समयी तिथि	11
तिथि समाप्ति वेल	18:32:36
जन्म तिथि	12
सूर्योदय समयी नक्षत्र	रोहिणी
नक्षत्र समाप्ति वेल	08:21:20 कला
जन्म नक्षत्र	मृगशिरा
सूर्योदय समयी योग	ध्रुव
योग समाप्ति वेल	09:43:08 कला
जन्म योग	व्याघात
सूर्योदय समयी करण	बालव
करण समाप्ति वेल	18:32:36 कला
जन्म करण	कौलव
भयात	27:26:41
भभोग	67:43:46
भोग्य दशा वेल	मंगळ 4 वर्ष 1 मा 29 दि

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मकर	22:22:40	———	——	——	——	नेक
रवि	कर्क	16:22:44	मित्र राशि	——	——	——	नेक
चन्द्र	वृषभ	28:44:09	मूलत्रिकोण	——	आह	——	नेक
मंगळ	मिथुन	19:20:44	शत्रु राशि	——	आह	——	मन्दा
बुध	मिथुन	27:14:26	स्वगृही	——	आह	——	मन्दा
गुरु	मिथुन	14:15:49	शत्रु राशि	——	आह	——	मन्दा
शुक्र	सिंह	19:11:43	शत्रु राशि	——	आह	——	मन्दा
शनि	तुला	11:17:24	उच्च राशि	——	——	——	नेक
राहु	व तुला	18:46:24	मित्र राशि	——	——	——	नेक
केतु	व मेष	18:46:24	मित्र राशि	——	——	आह	मन्दा

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगळ	सूर्य	मंगळ	आह	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	——	चंद्र	——
3	बुध	मंगळ	बुध	आह	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	——	गुरु	मंगळ
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	——	——	——
6	बुध	बुध,केतु	केतु	——	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	——	शनि	सूर्य
8	मंगळ	मंगळ,शनि	चंद्र	——	——	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	——	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	——	मंगळ	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	आह	——	——
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	——	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

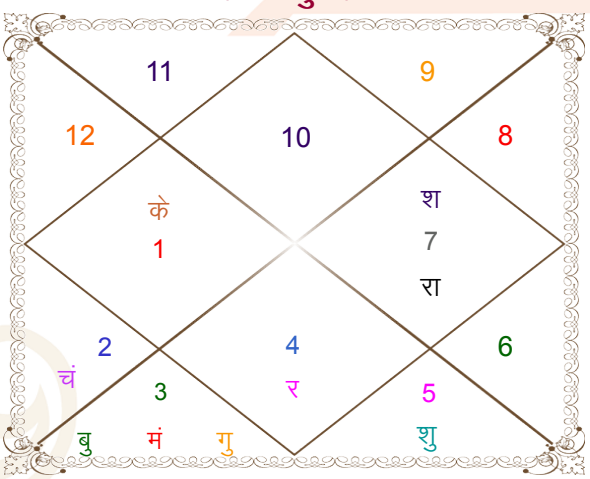

लालकिताब कुंडली

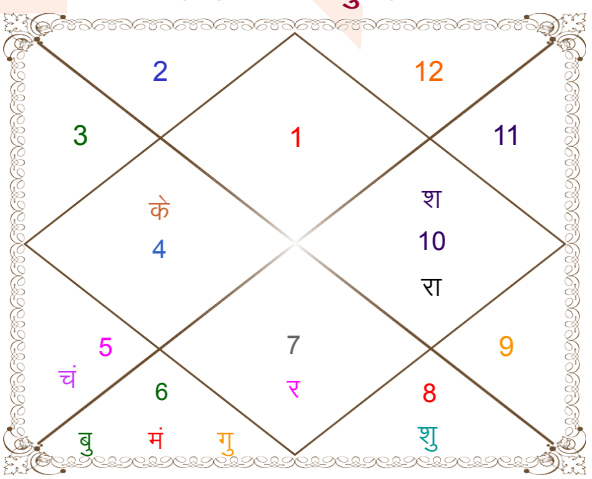

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप सरकारी पद पर हैं तो आपका मिजाज गर्म होगा। जो आपको लाभ देगा। आपके पारिवारिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। आपके जन्म से पहले मां-बाप की आर्थिक स्थिति खराब परंतु जन्म के बाद ठीक हुई होगी। पराई ममता या दूसरा पुरुष साथ देगा। शरीर पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपका परिवार ठीक रहेगा। आपकी औलाद के पास धन रहेगा। आपके हौसले बुलंद रहेंगे। आप आला किस्म की महिला होंगी। आपको बिना यत्न बुजुर्गों का धन मिलेगा। आपके ससुराल वालों से संबंध अच्छे रहेंगे। आप धन की खूब बचत करेंगी। विवाह के बाद किस्मत चमकेगी, आपका पति के अतिरिक्त और भी पुरुष से मित्रता हो सकती है या दो विवाह भी हो सकते है। आपकी लड़की अच्छे घर में ब्याही जाएगी। भागीदारी के कामों से लाभ मिलेगा। आपकी ज्योतिष, कर्मकांड में रुचि रहेगी। अंत समय में आप अपने घर पर ही मौजूद रहेंगी।

यदि आपने भागीदार से झगड़ा किया, धन के लिए ससुराल वालों को तंग किया, झूठ-झूठ में विश्वास रखा, सरकार का टैक्स चुराया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से ससुराल के खानदान का समय बिगड़ जाएगा। पति अस्वस्थ्य हो सकते हैं। 25 वर्ष तक पति का सुख मंदा रहेगा। यदि आप नौकरी या व्यापार करती हैं और स्वभाव गर्म होगा तो हानि होगी। सरकारी विभाग में नौकरी करती हैं तो गर्म स्वभाव रखना आपकी आदत होगी। कभी-कभी नर संतान से परेशानी रहेगी या आपके परिवार में लड़का नंगा या पागल हो सकता है। यदि आप चोरी-ठगी करेंगी तो आर्थिक स्थिति खराब होती जायेगी। ज्यादा गुस्सा करना, खुदगर्जी, खुशामदी बर्बादी की निशानी हो सकती है। आपके पैर में कुछ तकलीफ होगी। पति से झगड़ा, जुदाई या तलाक हो, ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नौकरी करते हैं या व्यापारी हैं तो गर्म मिजाज न रहें।
2. सरकारी विभाग में नौकरी करती हैं तो गर्म मिजाज रखें।

उपाय :

1. घर से काम पर जाते समय चीनी खाकर पानी पीकर जायें।
2. रात को रोटी पकाने के बाद गैस-चूल्हा या चूल्हे की आग दूध के छींटे देकर बुझावें। वह गैस चूल्हा/अंगीठी सूर्योदय से पहले न जलावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से हीरे-जवाहरात से संबंधित नौकरी-व्यापार लाभ देगा। कन्या सन्तान अधिक होने का योग है। आपको सुख के सभी साधन मिलेंगे। वन विभाग की अधिकारी हो सकती हैं। आप 9 वर्ष जीवन में यात्रा करेंगी। विदेश यात्रा से लाभ संभावित है। आपकी संतान की उम्दा परवरिश होगी। धार्मिक विचार रखने से आपके धन-दौलत की बरकत होगी। आप किसी के भी सामने नहीं झुकेंगी। आप दूसरों का इन्साफ करने में आगे रहेंगी। आप रहम दिल महिला होंगी और किसी से बेइंसाफी नहीं करेंगी। लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगी वह जरूर जीतेगा। सरकारी काम शुभ फल देने वाला होगा। आप सामाजिक कार्य करें तो आपकी औलाद के लिए अच्छा होगा। यात्रा का फल शुभ होगा। आपकी कभी भी बर्बादी नहीं होगी। आपको अपने जीवन की सभी मशहूर बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

यदि आपने धर्म विरोधी कार्य किये, गुप्त पाप किया, चकोर पक्षी का शिकार किया, अपना भेद किसी को बताया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी विद्या में विघ्न, संतान द्वारा विरोध होगा। आपका अपना भेदी तबाह कर सकता है। लालच और खुदगर्जी से नुकसान होगा। आपकी आदत हरेक को गुमराह करने वाली होगी। आपको नौकरी-व्यापार से अच्छा लाभ नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आप अपनी मर्जी से कोई कार्य न करें, किसी की सलाह जरुर लेवें।
2. किसी भी पाप कार्य में दखल न देवें।

उपाय :

1. धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेवें।
2. कभी-कभी पहाड़ की यात्रा करें।